

✱

7 $\frac{3}{22}$ पञ्चावली पेश हुई। मूल वादपत्र प्राणी
 अफम पेशी व दायरी में श्राद्ध किया जा
 चुका है। अतः मूल वादपत्र के श्राद्ध
 होने के कारण इस पञ्चावली-पत्र में
 कोई व्यावधान्य नहीं रही। अतः
 पञ्चावली पत्र में श्राद्ध किया जाता है।
 पञ्चावली पत्र में श्राद्ध किया जाता है।



सत्यमेव जयते

Web Copy Not Official

QR Code
 एवं जावण

हनुमानगढ़